

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

डेरी विकास विभाग,

मंगलपड़ाव, हल्द्वानी (नैनीताल)।

पशुपालन अनुभाग-02

देहरादून: दिनांक 14 अगस्त, 2018

विषय- वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-28 आयोजनागत पक्ष में महिला डेरी विकास योजना (सामान्य) के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-694-95/लेखा-प्रस्ताव आयो० महिला डेरी/2018-19, दिनांक 27 जुलाई, 2018 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-519/3(150)/XXVII(1)/2018, दिनांक 02 अप्रैल, 2018 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में डेरी विकास विभाग को महिला डेरी विकास योजना (सामान्य) में प्राविधानित धनराशि रु० 400.00 (रु० चार करोड़) के सापेक्ष सुपरविजन मॉनीटरिंग एवं एडमिनिस्ट्रेशन मद हेतु रु० 166.196 लाख (रु० एक करोड़, छियासठ लाख, उन्नीस हजार, छः सौ मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रुपये लाख में)

मद का नाम	बजट प्राविधान	स्वीकृति धनराशि
सुपरवीजन, मॉनीटरिंग एवं एडमिनिस्ट्रेशन	400.000	166.196
योग-	400.000	166.196

1. उक्त स्वीकृति जनपदवार सम्बन्धित सहायक निदेशक, डेरी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्टि करना सुनिश्चित करें।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृत परिव्यय के अनुरूप किया जायेगा।
3. वार्षिक योजना को अंतिम रूप दिये जाने से यदि परिव्यय में कोई परिवर्तन होता है, तो विभाग अपनी बचतों से व्यावर्तन कर अपेक्षित संशोधन कर लेगा।
4. वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के वर्णित शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-08 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
6. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय।